RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : शुक्रवार 21 जून 2024 वर्ष 06 अंक 64 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक रोकठोक लेखनी

खबरें बे-रोकटोक

महाराष्ट्र में शिवसेना ने बढ़ाई भाजपा की टेंशन...

Page - 4

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

4500 हजार कर्मचारी बीएमसी में कामचोर?

प्रशासन बड़ी कार्रवाई की तैयारी में...

मुंबई : जब भी वेतन वृद्धि, दिवाली बोनस, काम के घंटे और छुट्टियों के मुद्दों पर चर्चा होती है, तो कई लोगों को सरकारी कर्मचारियों के साथ-साथ नगर निगम के कर्मचारियों से भी जलन होती है। सरकार के अधिकार के तहत काम करते हुए इन कर्मचारियों को इस सेवा के दौरान कई सुविधाओं का आनंद लेने का अवसर मिलता है। हालांकि, कुछ कर्मचारियों के मामले में अब यह साफ हो गया है कि मुंबई में नगर निगम प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए कार्रवाई करने का फैसला किया है।

कर्मचारी अभी भी चुनाव ड्यूटी पर?

इस साल लोकसभा चुनाव 2024 के काम के लिए बड़ी संख्या में बीएमसी कर्मचारियों को नियुक्त किया गया था। इसमें चुनाव ड्यूटी पर लगे कर्मचारियों की संख्या करीब 40 हजार है और ये कर्मचारी करीब तीन से चार महीने से चुनाव ड्यूटी पर थे। हजारों कर्मचारियों को सौंपे गए इन कार्यों के कारण वास्तव में नगर पालिका के शिक्षा, स्वास्थ्य आदि सहित अन्य विभागों का काम प्रभावित हुआ और नगर पालिका की सेवाएं प्रभावित हुईं।

यह सच है कि नगर पालिका के 10400 कर्मचारी केंद्रीय स्तर के अधिकारी या जोनल अधिकारी बनाकर भेजे गए थे। लेकिन, अब चुनाव और नतीजे जैसी सभी चीजें पूरी होने के बावजूद सिर्फ 30 फीसदी कर्मचारी ही काम पर आए हैं और बाकी कर्मचारियों ने अभी तक ऑफिस का रुख नहीं किया है, तो साफ है कि नगर निगम प्रशासन ने सशक्त कार्रवाई करने के लिए ये फैसला लिया है. करीब 4500 कर्मचारी अभी तक नगर पालिका की सेवा में शामिल नहीं हुए हैं और उन्हें दी गई वेतन वृद्धि भी समाप्त हो चुकी है, इसलिए नगर पालिका कार्रवाई करने के लिए तैयार है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक सामान्य प्रशासन विभाग के 160 कर्मचारियों का वेतन रोकने की कार्रवाई की गई है। इस बीच नगर निगम कर्मचारी कर्मचारी सेना ने कर्मचारियों का वेतन रोकने की कार्रवाई और इस फैसले का विरोध किया है।

विरोध का कारण ये है कि...

लोकसभा चुनाव की प्रक्रिया भले ही पूरी हो चुकी है, लेकिन विधानसभा चुनाव की तैयारियां और अन्य गतिविधियां अभी भी चल रही हैं और नगर निगम के कर्मचारियों को अभी तक रिलीव नहीं किया गया है। यह जिला कलेक्टर की जिम्मेदारी है और श्रम बल ने मांग की है कि नगर पालिका इस संबंध में कर्मचारियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करे। इस बीच नगर निगम अधिकारियों ने चुनावी जिम्मेदारी के नाम पर काम पर आने से बच रहे कर्मचारियों पर कड़ी नाराजगी जताते हुए कार्रवाई के स्पष्ट संकेत दिए हैं।

मनोज जरांगे के फैलाए भ्रम से मराठा युवा दे रहे अपनी जान

ओबीसी कार्यकर्ताओं का बड़ा आरोप

जालना : महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण की मांग के बीच अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) आरक्षण को लेकर आठवे दिन भी आंदोलन जारी है। अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठे दो कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि आंदोलनकारी मनोज जरांगे के फैलाए भ्रम के कारण मराठा युवक अपनी जान दे रहे हैं। उन्होंने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर उनके आंदोलन की अनदेखी करने का भी आरोप लगाया।

जालना जिले के वाडीगोद्री गांव में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) आरक्षण को कमजोर न किए जाने की मांग को लेकर लक्ष्मण हाके और नवनाथ वाघमारे आंदोलन कर रहे हैं। वह उस मसौदा अधिसूचना को रद्द करने की मांग कर रहे हैं, जिसमें कुनबी को मराठा समुदाय के सदस्यों के ''ऋषि सोयारे'' (रक्त संबंधी) के रूप में मान्यता दी गई है। कुनबी, एक कृषि समूह है, जिसे ओबीसी श्रेणी के तहत आरक्षण का लाभ मिलता है। जरांगे मांग कर रहे हैं कि सभी मराठों को कुनबी प्रमाणपत्र जारी किए जाएं,

जिससे वह सरकारी नौकरियों और शिक्षा में कोटा के लिए पात्र हों। हाके ने कहा कि मराठा समुदाय आर्थिक रूप से वंचित हो सकता है, लेकिन वह सामाजिक रूप से पिछड़े नहीं हैं।

हाके ने कहा, ''आरक्षण मानदंड सामाजिक रूप से पिछड़ों से संबंधित है।'' उन्होंने सुझाव दिया कि मराठों को सरकार के साथ अपने आर्थिक विकास के लिए योजनाओं को आगे बढ़ाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''जरांगे भ्रम पैदा कर रहे हैं, जिस कारण मराठा युवा आरक्षण को लेकर आत्महत्या कर रहे हैं। जरांगे मराठों की तुलना ओबीसी समुदाय से कर रहे हैं।'' ओबीसी कार्यकर्ता ''ऋषि सोयारे'' मसौदा अधिसूचना को रद्द करने की मांग कर रहे हैं।

डोंबिवली रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर पांच पर नहीं है छत...

डोंबिवली : डोंबिवली रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर पांच पर पिछले साल से सीएसएमटी की तरफ विस्तारित प्लेटफॉर्म क्षेत्र पर कोई छत नहीं है। इसलिए पिछले आठ महीने से गर्मी की मार झेल रहे यात्रियों को अब लोकल में चढ़ने के दौरान बारिश की मार झेलनी पड़ेगी. पिछले साल से यात्री, रेलवे यात्री संघ रेलवे अधिकारियों से डोंबिवली रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर पांच पर विस्तारित क्षेत्र में एक छतरी बनाने की मांग कर रहे हैं। इस कार्य हेतु धनराशि स्वीकृत है। अधिकारी साल भर यही आश्वासन देते रहे कि काम जल्द शुरू होगा। वास्तव में काम शुरू नहीं होने से यात्री फंसे हुए हैं।

अब बारिश शुरू हो गई है तो यात्रियों को प्लेटफार्म नंबर पांच पर ढके हुए एरिया में खड़ा होना पड़ रहा है। ठाकुर्ली दिशा से डोंबिवली रेलवे स्टेशन तक आने वाली लोकल। इसे देखने के बाद यात्री छत के नीचे से निकलकर बिना छत वाले इलाके में चले जाते हैं। इस समय यात्रियों को लोकल में चढ़ते समय छाता बंद करना पड़ता है क्योंकि उनके हाथ में छाता होता है और फिर चढ़ते हैं। इस दौरान यात्री भीग रहे हैं। सुबह के समय इलाके में काफी भीड़ रहती है। इस दौरान कई लोगों की शिकायत रहती है कि उनके छाते खुलते या बंद होते समय खराब हो जाते हैं। इस सारी गड़बड़ी में सबसे ज्यादा परेशानी महिला यात्रियों को हो रही है. वातानुकूलित स्थानों के दरवाजे कुछ सेकंड के बाद खुल जाते हैं। इसके बाद यात्रियों को लोकल में चढ़ना होगा. तब तक यात्रियों को छाते बंद करके बारिश में भीगना पड़ता है। मांग की जा रही है कि रेलवे प्रशासन डोंबिवली रेलवे स्टेशन के यात्रियों की परेशानी को ध्यान में रखे और प्लेटफॉर्म नंबर पांच पर छत बनाने का काम शुरू करे. डोंबिवली, कल्याण रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्मों पर कई स्थानों पर छत और विस्तार का काम किया गया है। कुछ स्थानों पर पैदल यात्री पुलों का निर्माण किया गया है। वे स्काईवॉक से जुड़े हुए हैं।

कल्याण के शिलफाटा रोड पर मतदाता पहचान पत्रों का ढेर...!

कल्याण : कल्याण-शिलफाटा रोड पर टाटा पावर नाका के पिसवली गांव की सीमा में बुधवार को हजारों मतदाताओं के पहचान पत्र एक बर्तन में भरकर सड़क पर फेंके हुए मिले। माना जा रहा है कि ज्यादातर मतदाता पहचान पत्र कल्याण पूर्व के नेतिवली, पिसावली, चक्कीनाका इलाकों के निवासियों के हैं। मानपाड़ा पुलिस ने इन पहचान पत्रों को जब्त कर लिया और इन मतदाता पहचान पत्रों की सत्यता का पता लगाया, जिन्होंने इन पहचान पत्रों को लाकर सड़क पर फेंक दिया था। इस बात की जांच शुरू कर दी गई है कि क्या इन मतदाता पहचान पत्रों का इस्तेमाल हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में किया गया था। बुधवार को कल्याण पूर्व में कल्याण-शिलफाटा रोड के पास पिसवली गांव के प्रवेश द्वार पर मेहराब

के पास निवासियों को सामान से भरा एक बैग पड़ा मिला। पहले तो राहगीरों को लगा कि बैग शिलफाटा रोड पर चल रहे किसी वाहन से गिर गया है। हालाँकि, एक राहगीर ने यह देखने के लिए बैग खोला कि अंदर क्या है। इसमें चुनाव मतदान पहचान पत्र दिखे। इन आईडी को फेंकने में कुछ गड़बड़ लगती है, इसलिए संबंधित राहगीर वहां से चला जाता है।

चुनाव अब खत्म हो चुके हैं. इस डर से कि अगर ये मतदाता पहचान पत्र नकली निकले तो उन्हें पूछताछ का सामना करना पड़ेगा, कोई भी नागरिक इन मतदाता पहचान पत्रों के बैग के पास नहीं गया है। कुछ नागरिकों ने इसकी जानकारी मानपाड़ा पुलिस को दी. पुलिस ने सड़क पर पड़े पहचान पत्र एकत्र किए। इसे बैग समेत जब्त कर लिया गया। इस लिफाफे पर लगी मोहर के मुताबिक पुलिस मामले की जांच में जुट गई है. कल्याण पूर्व के अधिकांश निवासी उत्तर भाषी हैं। लोकसभा चुनाव के दौरान यह वर्ग अपने मूल राज्य चला गया. इसलिए, जागरूक नागरिक और कुछ राजनीतिक समूह संदेह व्यक्त कर रहे हैं कि इन निवासियों के नाम पर फर्जी मतदाता पहचान पत्र तैयार किए गए हैं जो मतदाता हैं और लोकसभा चुनाव में इसका इस्तेमाल किया गया है। इस मामले में पुलिस से गहन जांच की मांग की जा रही है.

संपादकीय...

सड़कों पर वाहनों के डेरे

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

पर्यटक सीजन की मेहनत में उस हिसाब का क्या होगा, जो सैलानियों के अनुभव में खीज पैदा करता है। हर साल हिमाचल में सौ से दो सौ होटल, होम स्टे या रेस्तरां बढ़ रहे हैं, लेकिन इन सुविधाओं के ठीक पीछे सैलानियों के सुकून को अपने लिए जगह खोजनी पड़ती है। महज तेरह दिनों में शिमला में अगर सवा पांच लाख के करीब वाहन आ जाएं, तो इस ट्रैफिक के बीच मेहमाननवाजी का आलम क्या होगा। अगर सप्ताहांत पर्यटन की भीड़ में धर्मशाला से मकलोडगंज और भागसूनाग के बीच पांच घंटे ट्रैफिक जाम हो जाए, तो सैलानियों का यात्रा वृतांत क्या होगा। अटल टनल के दोनों छोर से प्रतिदिन दस हजार से ऊपर वाहन लांघते रहें, तो इस डेस्टिनेशन का इंतजाम क्या होगा। हिमाचल में सडक से पर्यटक स्थल तक और तीर्थ यात्रा से ट्रैकिंग तक वाहनों से अटे पड़े प्रदेश में अंततः सुकून की परिभाषा है क्या। हमने परिवहन व्यवस्था के नाम पर सिर्फ एक ही आंकड़ा रटा है कि प्रदेश में 24 लाख पंजीकृत वाहन हैं, जबकि बाहरी प्रदेशों खास तौर पर पर्यटक वाहनों की तादाद जोड़ लें तो साल भर में इससे चार गुना वाहन और जुड़ जाते हैं। तेरह दिन में शिमला की सडकों पर सवा पांच लाख वाहनों का जमघट स्पष्ट कर देता है कि परिवहन के नीचे व्यवस्था किस हद तक कुचली जा रही है। यह स्थिति तब की है, जब साल में दो करोड़ से कम पर्यटक पहुंच रहे हैं और अगर घोषणा के अनुसार यह संख्या कहीं पांच करोड़ पहुंच गई तो सडकों पर वाहनों के डेरे, सारे प्रबंधों को तहस-नहस कर देंगे। कब तक साधारण पुलिस व्यवस्था सीटियां मार-मार कर यातायात व्यवस्था के बीच अड़े पर्यटक सीजन को दुरुस्त करेगी। इसके लिए आवश्यक है कि विशेष प्रशिक्षण के साथ मैत्री पर्यटक पुलिस की स्थापना की जाए।

परिवहन को पर्यटन परिवहन के रूप में अंगीकार करते हुए हिमाचल को न केवल सडकों के ढांचे में सुधार की जरूरत है, बल्कि वाहनों के संचालन व ठहराव की पूर्ण व्यवस्था का प्रारूप बनाना होगा। पर्यटक अगर अटल टनल, डलहौजी, मकलोडगंज या कसौली पहुंचने से पहले तौबा करें या ट्रैफिक जाम सुकून के पल बर्बाद कर दें, तो हिमाचल में नकारात्मक पर्यटन से बचना होगा। महापर्यटन की शक्ल में सैलानियों की भीड़ को प्रदेश भर में बांटने के लिए एक साथ कई सर्किट बनाने होंगे तथा इनका संचालन मोबाइल ऐप के जरिए संभव हो सकता है। प्रदेश के प्रवेश द्वारों पर पर्यटक व वाहन पंजीकरण से आगे का सफर एक ऑनलाइन अनुमति के साथ व्यवस्थित करना होगा। प्रदेश के दस अति व्यस्त पर्यटक स्थलों व तमाम धार्मिक स्थलों के दायरे में परिवहन परियोजनाएं विकसित करनी पडेंगी। इन सभी स्थलों से दस किलोमीटर पहले ही महापार्किंग विकसित करके पर्यटक वाहन रोक देने चाहिएं और आगे का सफर सस्ती व आरामदायक सार्वजनिक परिवहन से सुचारू किया जा सकता है। महापार्किंग स्थल से रोपवे के जरिए मंदिर व पर्यटक स्थल धीरे-धीरे जोड़े जा सकते हैं।

editor@rokthoklekhaninews.com
+91 99877 75650
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

मुंबईकरों को पानी की आपूर्ति करने वाले बांधों में अभी तक संतोषजनक बारिश नहीं...

सिर्फ 5.32 फीसदी जल भंडारण बचा

मुंबई: हालांकि मुंबई में बुधवार से बारिश हो रही है, लेकिन मुंबईकरों को पानी की आपूर्ति करने वाले बांधों में अभी तक संतोषजनक बारिश नहीं हुई है। इन सभी सात बांधों में कुल 5.32 फीसदी जल भंडारण है. यदि बारिश से बांध क्षेत्र में पानी भर जाता है तो मुंबईकरों को पानी की गंभीर कमी का सामना करने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। गुरुवार सुबह तक सभी सात बांधों में केवल 162 मिमी बारिश दर्ज की गई।

नगर निगम प्रशासन ने बांधों में उपलब्ध जल भंडार का संयमित उपयोग करने के लिए पांच जून से दस प्रतिशत पानी की कटौती लागू कर दी है। पानी की यह कटौती ठाणे, भिवंडी-निजामपुर नगर निगम और आसपास के गांवों पर भी लागू की गई है, जिन्हें मुंबई नगर निगम द्वारा आपूर्ति की जाती है। नगर पालिका ने संतोषजनक वर्षा होने और बांधों में उपयोगी भंडारण में सुधार होने तक पानी की इस कटौती को जारी रखने का निर्णय लिया है। मुंबई को सात बांधों उर्ध्व वैत्राणा, मोदकसागर, तानसा, मध्य वैत्राणा, भाटसा, विहार, तुलसी से प्रतिदिन 3800 मिलियन लीटर पानी की आपूर्ति की जाती है। मुंबईकरों को बड़ी राहत मिली क्योंकि मौसम विभाग ने इस साल संतोषजनक बारिश की भविष्यवाणी की है। हालांकि, बारिश की स्थिति संतोषजनक नहीं होने के कारण मुंबईकरों को पानी की चिंता सताने लगी है। जून के पहले पखवाड़े के बाद भी बांधों में संतोषजनक बारिश नहीं हुई है। सातों बांधों में सिर्फ 5.32 फीसदी जल भंडारण बचा है।

मुंबई नगर निगम से उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, गुरुवार सुबह 6 बजे तक उर्धवा वैतरण में 10 मिमी, मोदकसागर में 23 मिमी, तानसा में 38 मिमी, मध्य वैतरण में 18 मिमी, भाटसा में 10 मिमी, भातसा में 15 मिमी बारिश दर्ज की गई. विहार, तुलसी में 49 मि.मी. पिछले वर्ष 20 जून की सुबह 6 बजे तक तानसा जलाशय को छोड़कर अन्य बांधों में बारिश नहीं हुई थी। तानसा में केवल 1 मिमी बारिश हुई. हालाँकि, सभी सात बाँधों का जल स्तर इस वर्ष की तुलना में अधिक था।

पुणे: पानी के टैंकर में एक महिला का शव मिला

पुणे: पुणे के हडपसर इलाके के फुरसुंगी में एक पानी के टैंकर में 25 वर्षीय महिला का शव मिला. इस घटना से सनसनी मच गई है. मृत महिला की पहचान कौशल्या मुकेश चव्हाण उम्र 25 वर्ष के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, टैंकर क्रमांक (टल्12, हख 1091) फुरसुंगी में पावर हाउस के पास एक घर में पानी पहुंचाने गया था. उस समय पानी की टंकी में पाइप छोड़ा गया था. लेकिन पानी नहीं आया. उस वक्त वॉल्व चेक करने के बाद भी पानी नहीं आया। इसके बाद जब उन्होंने पाइप हटाया तो देखा कि अंदर से एक साड़ी निकली है. इसके बाद जब ड्राइवर ने टैंकर का ढक्कन खोला तो अंदर एक महिला का शव मिला. क्या पास के पुलिस स्टेशन में उस महिला की गुमशुदगी की शिकायत दर्ज है? इस बारे में पूछताछ करने पर पता चला कि कोंढवा पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई थी कि एक महिला बिना किसी को बताए घर से चली गई है. उस जानकारी के आधार पर मृत महिला के पति को पूछताछ के लिए बुलाया गया है और आगे की जांच की जा रही है. हडपसर पुलिस ने बताया कि यह हत्या है या आत्महत्या इसके बारे में अभी स्पष्ट तौर पर कुछ नहीं कहा जा सकता, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद यह स्पष्ट हो जाएगा.

कल्याण : अवैध इमारत पर चला हथौड़ा, भारी बारिश में तोड़फोड़ की कार्रवाई...

कल्याण : कल्याण पूर्व के दावड़ी गांव में नगर निगम की विकास योजना के तहत सड़क पर बनी चार मंजिला अवैध इमारत को तोड़ने की कार्रवाई प्रभाग प्रथम की सहायक आयुक्त हेमा मुंबरकर ने मंगलवार से शुरू कर दी है. इस इमारत पर अब कार्रवाई की जानी चाहिए अन्यथा माफिया इस इमारत को सात मंजिल में तब्दील कर आवासीय उपयोग में लाना शुरू कर सकते हैं। इसलिए, बारिश होने के बावजूद, इमारत को जमींदोज करने का काम शुरू हो गया है, डिवीजन क की सहायक आयुक्त हेमा मुंबरकर ने बताया। भू-माफिया शेजुल ने यह जानते हुए भी कि नगर पालिका की विकास योजना में सड़क दावाडी से होकर गुजरी है, दावाडी में चार मंजिल की अवैध इमारत बना ली।

शेजुल द्वारा विकास योजना में अवैध इमारत खड़ी करने की शिकायत डिवीजन क के सहायक आयुक्त मुंबरकर के पास आई थी। आयुक्त डॉ. मुंबरकर. इंदुरानी जाखड़, उपायुक्त अवधूत तावड़े, उपायुक्त रमेश मिसाल के मार्गदर्शन में माफिया शेजुल को इमारत के निर्माण अनुमति दस्तावेज जमा करने के लिए नोटिस जारी किया गया था. वे तय समय में दस्तावेज जमा नहीं कर सके. सहायक आयुक्त मुंबार्कर ने शेजुल की इमारत को अनाधिकृत घोषित कर दिया. इस अवैध इमारत से घर खरीदारों को होने वाली धोखाधड़ी को रोकने के लिए सहायक आयुक्त मुंबार्कर ने मंगलवार से भारी बारिश में इस इमारत को ढहाने का काम शुरू कर दिया है.

इस बिल्डिंग के स्लैब को पटाखे से तोड़ने के बाद पोकलेन की मदद से इस बिल्डिंग के सीमेंट के खंभों को तोड़ने का काम बुधवार से शुरू हो गया. इस कार्रवाई से दावड़ी क्षेत्र के भू-माफियाओं में खलबली मच गई है. पिछले एक साल में आई वार्ड में ढहाई जाने वाली यह छठी अवैध इमारत है।

पनवेल इलाके में भारी बारिश... बिजली व्यवस्था हुई बाधित

पनवेल: पनवेल इलाके में भारी बारिश शुरू होने के बाद पहली बार पनवेल में बिजली व्यवस्था बाधित हुई है. ग्रामीण पनवेल के साथ कलंबोली, कामोठे इलाके में कई जगहों पर बिजली गायब हो गई. गुरुवार सुबह से ही भारी बारिश हो रही है. काम पर जाने वाले मजदूर वर्ग की हड़बड़ी की तस्वीर थी। कलंबोली, लोखंड बाजार में लगभग 60,000 बिजली उपभोक्ताओं को तलोजा स्थित सबस्टेशन से बिजली की आपूर्ति की जाती है। लेकिन गुरुवार की सुबह बारिश शुरू होने के बाद बिजली आपूर्ति अचानक बंद हो गयी.

कामोठे कॉलोनी में भी रात बारह बजे बिजली गायब हो गई। चूंकि पनवेल के ग्रामीण

इलाकों में बिजली कटौती एक नियमित घटना है, इसलिए यहां के बिजली उपभोक्ताओं को बिजली आपूर्ति में रुकावट का सामना करना पड़ता है। उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली उपलब्ध कराने के लिए विद्युत महावितरण कंपनी वर्ष भर में सप्ताह में एक दिन कुछ घंटों के लिए बिजली आपूर्ति बंद कर मरम्मत का कार्य करती है। बरसात से पहले भी पेड़ों की छंटाई के लिए बिजली आपूर्ति बंद कर काम किया जाता है। फिर भी, चूंकि बारिश के मौसम में बिजली कटौती जारी रहती है, पनवेल में कई जगहें ऐसी थीं, जहां घर से कंप्यूटर और इंटरनेट पर काम करने वाले लोगों की मौत हो गई।

विरार में दामाद ने की सास की हत्या !

वसई: विरार में एक ऐसा मामला सामने आया है जहां एक इस्मा ने पारिवारिक विवाद के चलते अपनी सास की हत्या कर दी. घटना बुधवार दोपहर करीब एक बजे की है. दिलचस्प बात यह है कि वह तब पकड़ा गया जब आरोपी के बेटों ने, जो उसकी हत्या कर भागने की तैयारी कर रहे थे, उसे घर में बंद कर दिया। पिछले तीन महीने से प्रशांत खैरे अपनी पत्नी कल्पना खैरे, दो बच्चों और सास के साथ विरार पूर्व के साईनाथ नगर इलाके में किराए के मकान में रह रहे थे. प्रशांत शराब का आदी था और अपनी पत्नी कल्पना खैरे और सास लक्ष्मी खाम्बे से मारपीट करता था।

बुधवार दोपहर प्रशांत शराब पीकर घर आया। उस वक्त उनकी पत्नी काम के सिलसिले में मुंबई गयी हुई थीं. प्रशांत का अपनी सास लक्ष्मी से विवाद हो गया। इसी विवाद के चलते प्रशांत खैरे ने सास के हाथ-पैर बांधकर और गर्दन व पेट पर धारदार हथियार से वार कर हत्या कर दी. प्रशांत हत्या कर भागने की तैयारी में था। घर के बच्चों ने दरवाजा बंद कर दिया और प्रशांत को अंदर रोक दिया। और आसपास चिल्लाकर नागरिकों को एकत्र किया और घटना की जानकारी पुलिस को दी. विरार पुलिस ने इस आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है.

स्लम पुनर्वास योजना में कारपेट एरिया का उल्लंघन? नगर निगम ने स्लीप अथॉरिटी को दी चेतावनी

मुंबई: नगर निगम आयुक्त भूषण गगरानी ने स्लम पुनर्वास प्राधिकरण को भेजे एक पत्र में गंभीर आरोप लगाया है कि स्लम पुनर्वास प्राधिकरण ने अपने अधिकारों का दुरुपयोग किया है और अवैध परमिट के कारण कारपेट एरिया का उल्लंघन किया है। इस पत्र में गगरानी ने यह भी स्पष्ट किया है कि इस तरह अधिकारों का दुरुपयोग कर अनुमति देना बंद कर देना चाहिए. इस संबंध में नगर विकास विभाग को भी पत्र भेजा गया है और स्लम पुनर्वास प्राधिकार द्वारा मैट एरिया के उल्लंघन की ओर ध्यान आकृष्ट कराया गया है.

स्लम पुनर्विकास योजनाएं विकास नियंत्रण नियमों के प्रावधान 33 (10) के अनुसार कार्यान्वित की जाती हैं। इस प्रावधान का उपयोग स्लम अधिनियम की धारा 3सी के तहत स्लम घोषित क्षेत्रों में किया जा सकता है। इसके अलावा विनियम 33 (11) है जो झुग्गीवासियों के लिए स्थायी वैकल्पिक आवास के निर्माण के बदले मैट एरिया प्रदान करता है। स्लम पुनर्वास प्राधिकरण इन नियमों को लागू करने के लिए जिम्मेदार है। इसके अलावा अन्य नियमों को लेकर नगर निगम नियोजन प्राधिकरण है. इसके बावजूद, स्लम पुनर्वास प्राधिकरण द्वारा मैट एरिया लाभ प्रदान करने के लिए विकास नियंत्रण नियमों के प्रावधान 33 (12) (बी) और 33 (19) का भी उपयोग किया जा रहा है। गगरानी ने इस पत्र में कहा कि यह जोपू प्राधिकरण की शक्तियों का सीधा दुरुपयोग है। इस नियम का उपयोग करने का अधिकार सिर्फ नगर निगम को है. लेकिन कई मामलों में हाउसिंग अथॉरिटी ने मुख्य रूप से 33 (11) के तहत स्वीकृत योजना को 33 (12) (बी) या 32 (19) के प्रावधानों से जोड़ दिया है। इससे मैट एरिया काफी बढ़ गया है. यह सीधे तौर पर मैट एरिया का उल्लंघन है. इस संबंध में संबंधित अधिकारियों को सलाह दी जानी चाहिए कि वे इस तरह से योजना को मंजूरी देने से बचें। गगरानी ने सीईओ को लिखे पत्र में कहा, अन्यथा हमें भविष्य में कानूनी समस्याओं का सामना करना पड़ेगा।

प्राधिकरण के सूत्रों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि जोपू योजना म्हाडा से भी जुड़ी हुई है। ये योजनाएं अन्य नियमों से भी इसी प्रकार जुड़ी हुई हैं। इसमें कुछ भी अवैध नहीं है. यदि योजना प्राधिकारी या नगर पालिका इसे मंजूरी दे देती है तो क्या होगा?

भयंदर : बारिश के कारण दो दिन के लिए टाल दी गई पुलिस भर्ती प्रक्रिया

भयंदर: लगातार बारिश के कारण पुलिस भर्ती प्रक्रिया रोक दी गई है. यह प्रक्रिया अब 27 और 28 जून को आयोजित की जाएगी। मीरा भयंदर, वसई विरार पुलिस आयुक्तालय 231 पुलिस कांस्टेबल रिक्ति के लिए भर्ती प्रक्रिया आयोजित कर रहा है। प्रारंभ में, यह प्रक्रिया 19 जून से 25 जून तक भयंदर पश्चिम के नेताजी सुभाष चंद्र बोस मैदान में आयोजित होने वाली थी। इसमें शारीरिक परीक्षण, बॉल थ्रो, दौड़ जैसे विभिन्न परीक्षण आयोजित किए जाएंगे। लेकिन ज्वार के पहले ही दिन

बारिश के कारण मैदान में हर जगह पानी भर गया. इसलिए उम्मीदवारों की प्रक्रिया केवल दस्तावेज सत्यापन, बायोमेट्रिक सत्यापन और शारीरिक माप के माध्यम से की गई। फील्ड टेस्ट की तारीख 26 जून दी गई थी.

प्रशासन के इस फैसले से अभ्यर्थियों में असमंजस का माहौल है. इनमें से अधिकतर अभ्यर्थियों ने भर्ती प्रक्रिया को पूरी तरह रद्द कर बारिश के बाद लेने का विरोध भी किया. लेकिन पुलिस की ओर से दावा किया गया कि वे क्षेत्र में समाधान योजना बनाकर नियमित प्रक्रिया पूरी करेंगे. इस बीच गुरुवार को भी सुबह से बारिश होने के कारण भर्ती प्रक्रिया आयोजित करना संभव नहीं हो सका. इसलिए, 20 और 21 जून को होने वाली दो दिवसीय भर्ती प्रक्रिया को 27 और 28 जून तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। इसकी जानकारी अभ्यर्थियों को सही समय पर दे दी गयी है. इसको लेकर राज्य के विभिन्न हिस्सों से अभ्यर्थी उमड़ पड़े हैं.

एपीएमसी में जल निकासी का गड्ढा, पहली बारिश में बाजार में जमा हुआ पानी

नवी मुंबई: नवी मुंबई शहर समेत इसके उपनगरों में रात से ही भारी बारिश हुई. सुबह से शुरू हुई लगातार बारिश के कारण बॉम्बे एग्रीकल्चरल प्रोड्यूस मार्केट कमेटी में पानी भर गया. मंडी परिसर के साथ ही मुख्य द्वार पर भी पानी जमा हो गया। वहीं, आलू-प्याज समेत पांचों मंडियों में पानी जमा हो गया है. व्यापारियों का आरोप है कि पहली बारिश में ही प्याज और आलू के खेतों में भारी मात्रा में पानी भर जाने से एपीएमसी की नालियां ध्वस्त हो गई हैं.

एपीएमसी में बाजार समिति मुख्य सड़क के किनारे स्थित है। मुख्य सड़क नालियां, सीवर ऊंचे इलाकों में हैं, जबकि बाजार क्षेत्र निचले इलाकों में है। बाजार के मुख्य द्वार और उसके आसपास पानी जमा हो गया। एपीएमसी बाजार में सीवेज चैनलों और चैंबरों की ठीक से सफाई नहीं होने के कारण यह पानी जमा हो गया है। बाजार में नाली की ठीक से सफाई नहीं होने के कारण बाजार परिसर में पानी जमा हो गया. व्यापारियों का मानना है कि ठेकेदार नालों की सफाई दिखावे के लिए करता है, चैंबर-दर-चेंबर नहीं।

एपीएमसी प्रशासन की ओर से बाजार परिसर में मानसून पूर्व नाली सफाई कार्य के साथ चार माह तक नाली के रखरखाव का 12 लाख का ठेका। हालांकि, ठेकेदार के माध्यम से एपीएमसी मार्केट परिसर में मानसून पूर्व नाली की सफाई ठीक से नहीं होने के कारण व्यवसायिक समुदाय का आरोप है कि पानी जमा होने के कारण नाली की सफाई का काम चौपट हो गया है. पहली बारिश में बाजार.

विवाद सुलझाने के लिए बुलाकर युवती की पिटाई; तीन दोस्तों के खिलाफ छेड़छाड़ का मामला दर्ज

पुणे: दोस्ती के बीच विवाद सुलझाने के लिए एक युवती से दुर्व्यवहार करने और धमकी देने का मामला सामने आया है. यह घटना 11 मार्च और 22 मई को सेनापति बापट रोड और दीप बांग्ला चौक पर एक सरकारी इमारत की पार्किंग में हुई थी. इस मामले में तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. लड़की ने चतुःश्रृंगी थाने में शिकायत दर्ज करायी है.

इसके मुताबिक, प्रतीक बालकृष्ण काकड़े (उम्र 30), प्रज्योत बालकृष्ण काकड़े (32, निवासी बालाजी अपार्टमेंट, नवी सांगवी) और अश्विन पवार (29, निवासी वसई) के खिलाफ अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, वादी सेनापति बापट रोड पर एक सरकारी कार्यालय में काम करता है। आरोपी प्रतीक और वादी एक दूसरे के दोस्त हैं और उनके बीच विवाद था। आरोपी प्रतीक ने शिकायतकर्ता को कार्यालय के पार्किंग स्थल पर बुलाया जहां शिकायतकर्ता दोस्तों के बीच विवाद को सुलझाने के लिए काम कर रही थी। जब वे चले गए तो आरोपी प्रज्योत वहीं था। उसने वादी के साथ दुर्व्यवहार किया। इसलिए वादीगण अपने दूसरे कार्यालय के लिए रवाना हो गए। आरोपियों ने उनका पीछा कर दीप बंगला चौक पर रोका और गाली-गलौज कर धमकी दी. इसके बाद प्रतीक ने विवाद सुलझाने के लिए वादी को दोबारा बुलाया। उसी समय आरोपियों ने गाली-गलौज की. अभियोजन में कहा गया है कि प्रज्योत और अश्विन ने वादी के साथ दुर्व्यवहार किया.

पत्नी पर प्रताड़ित करने के आरोप में मामला दर्ज

मुंबई: पुलिस ने मुंबई के वर्ली निवासी 46 वर्षीय और उसके बुजुर्ग माता-पिता के खिलाफ अपनी पत्नी पर हमला करने और उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित करने के आरोप में मामला दर्ज किया है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। महिला ने अपनी शिकायत में कहा है कि उसके पति ने उसके माता-पिता से पैसे मांगे और उस पर विवाहेतर संबंध में शामिल होने का भी आरोप लगाया। पुलिस ने बताया कि 43 वर्षीय महिला ने 13 जून को अपने पति प्रहलाद आडवानी उसके 85 वर्षीय पिता सुंदरगुरदास और मां मेनका (78) के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि महिला का पति गोवा में अपने होटल और रिसॉर्ट व्यवसाय के तहत एक लग्जरी बीच रिसॉर्ट का मालिक है और उसका संचालन करता है। अपनी शिकायत में

उसकी पत्नी शहाना ने कहा कि नवंबर 2012 से 12 जून 2024 के बीच उसे प्रताड़ित किया गया। पुलिस ने बताया कि उसकी शिकायत के आधार पर आपराधिक विश्वासघात, जानबूझकर चोट पहुंचाने और जानबूझकर अपमान करने का मामला दर्ज किया गया है। होटल व्यवसायी ने कथित तौर पर कई मौकों पर अपनी पत्नी के साथ मारपीट की और उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया।

उसने अपनी शादी के समय 5 लाख रुपये की कलाई घड़ी की भी मांग की, और उसकी इच्छा उसके पिता ने पूरी की, एफआईआर में कहा गया है। 2017 में, शिकायतकर्ता के पिता ने मनाली में अपनी संपत्ति बेची थी, जिसके बाद प्र''ाद आडवाणी और उनके माता-पिता ने आय में हिस्सा मांगना शुरू कर दिया, इसमें कहा गया है। जब महिला ने अपने पिता की संपत्ति को छोड़ने से इनकार कर दिया, तो प्र''ाद आडवाणी ने उसके साथ मारपीट की और उसे शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया। अपनी शिकायत में, महिला ने अपने पति पर यह भी आरोप लगाया कि उसे शक है कि उसका विवाहेतर संबंध है। इस बीच, आरोपी और उसके परिवार के एक प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, ''यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि पुलिस तंत्र का इस्तेमाल अब वैवाहिक कलह को निपटाने के लिए पति और उसके परिवार को बंधक बनाने के लिए किया जा रहा है..

कनार्ला किले में मिली नई सुरंग...!

पनवेल: पनवेल तालुका के कनार्ला किले में एक प्राचीन भूमिगत खोज की गई। गडकिल्या के विद्वान और सह्याद्रि प्रतिष्ठान के सदस्य गणेश रघुवीर और सह्याद्रि प्रतिष्ठान पनवेल के सदस्य मयूर टकले ने इस सुरंग को खोजा। गणेश रघुवीर ने इसकी जानकारी वन विभाग और पुरातत्व विभाग को दे दी है. किले पर पहले दो सुरंगें हैं। दुर्ग के विद्वानों ने अनुमान लगाया है कि इन सुरंगों का उपयोग राहगीर रुकने या ध्यान करने के लिए करते थे। करनाला किले की सुरक्षा और संरक्षण के लिए वन विभाग ने इतिहासकारों की एक समिति गठित की है। गणेश रघुवीर इसी समिति के सदस्य हैं. नवंबर 2022 में गणेश के अध्ययन समूह ने करनाला किले की फिसलन भरी सड़क पर एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की थी कि किले का कौन सा हिस्सा ढह रहा है, इस पर क्या उपाय किए जाने चाहिए।

महाराष्ट्र में शिवसेना ने बढ़ाई भाजपा की टेंशन...

विधानसभा चुनाव से पहले की 100 सीटों की मांग

मुंबईः महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि उनकी पार्टी को राज्य विधानसभा की 288 सीट में से कम से कम 100 पर चुनाव लड़ने का मौका मिलना चाहिए। शिवसेना महायुति गठबंधन का हिस्सा है, जिसमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) भी शामिल है। राज्य में अक्टूबर में विधानसभा चुनाव होने हैं। पूर्व मंत्री रामदास कदम ने बुधवार को यहां एनएससीआई परिसर में शिंदे गुट द्वारा आयोजित अविभाजित शिवसेना के 58वें स्थापना दिवस के मौके पर कहा, '' हमें लड़ने के लिए 100 सीट मिलनी चाहिए और हम उनमें से 90 पर जीत सुनिश्चित करेंगे।''

वहीं महाराष्ट्र सरकार में मंत्री और राकांपा नेता छगन भुजबल ने भी हाल ही में कहा था कि उनकी पार्टी को राज्य विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए 80 से 90 सीट मिलनी चाहिए। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी कहा था कि भाजपा सबसे बड़ी पार्टी है और राज्य में होने वाले चुनाव में ज्यादा सीट पर चुनाव लड़ेगी। फडणवीस ने हालांकि यह भी कहा कि तीनों दलों के नेताओं की बैठक और चर्चा के बाद ही सीट बंटवारे पर कोई अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

लोकसभा चुनाव में महायुति को झटका

गौरतलब है कि, हाल ही में संपन्न हुए लोकसभा चुनावों में, सत्तारूढ़ महायुति ने राज्य की 48 सीटों में से 17 सीटें जीतीं थी। बीजेपी ने 9 सीटें, शिवसेना ने 7 और ठउढ ने मात्र 1 ही सीट जीती। इसके उलट विपक्षी महा विकास अघाड़ी, जिसमें कांग्रेस, उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) और शरद पवार की NCP(SP) शामिल हैं, ने 30 सीटें हासिल कीं हैं।

धारावी और शिव को जोड़ने वाले फ्लाईओवर पर भारी वाहनों पर प्रतिबंध!

मुंबईः बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स, कुर्ला एलबीएस मार्ग, धारावी और शिव को जोड़ने वाले शिव स्टेशन के बेहद महत्वपूर्ण फ्लाईओवर पर भारी वाहनों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। सुरक्षा कारणों से शुक्रवार रात से फ्लाईओवर बंद कर दिया जाएगा। अंधेरी में गोखले ब्रिज के ढहने के बाद, मुंबई में ब्रिटिश काल और पुराने पुलों का भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई (आईआईटी) द्वारा निरीक्षण किया गया था। इसमें खुलासा हुआ कि शिव रेलवे स्टेशन पर ब्रिटिशकालीन 112 साल पुराना फ्लाईओवर जर्जर हालत में था। इसलिए, सुरक्षा कारणों से, मौजूदा फ्लाईओवर को ध्वस्त करने और उसके स्थान पर स्टील गार्डर और आरसीसी स्लैब लगाने की सिफारिश की गई है।

मध्य रेलवे और बृहन्मुंबई नगर निगम के समन्वय से शिव रेलवे स्टेशन के पास मौजूदा फ्लाईओवर को बदलने के लिए एक नए फ्लाईओवर की योजना बनाई गई थी। विध्वंस कार्य को अंजाम देने के लिए सभी प्रणालियाँ तैयार थीं। लेकिन स्थानीय लोगों के विरोध के बाद पुराने पुल को तोड़कर नया पुल बनाने का काम स्थगित कर दिया गया। इसके अलावा स्थानीय जन प्रतिनिधियों ने भी रेलवे प्रशासन से मुलाकात कर 10वीं, 12वीं की परीक्षा और अन्य चीजों को ध्यान में रखते हुए पुल का काम स्थगित करने का अनुरोध किया था. इसलिए, पुल के विध्वंस को बार-बार स्थगित किया गया। पुल को 20 जनवरी, 28 फरवरी, 28 मार्च को बंद कर ध्वस्त किया जाना था। हालांकि, पुल को तोड़ने की तारीख बार-बार टाली जाती रही. फिलहाल शिव फ्लाईओवर का ध्वस्तीकरण अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया है. अब मानसून के खतरे को देखते हुए इस पुल पर भारी वाहनों के परिचालन पर रोक लगा दी गयी है. मध्य रेलवे के मुताबिक, सुरक्षा उपाय के तौर पर भारी वाहनों को शिव फ्लाईओवर पार करने से रोकने का प्रस्ताव दिया गया है. इसके मुताबिक शुक्रवार रात से भारी वाहनों का प्रवेश बंद कर दिया जाएगा। सुरक्षा की दृष्टि से फ्लाईओवर के दोनों ओर हाइट गेज लगाए जाएंगे।

महामारी की चपेट में मुंबईवासी, स्वाइन फ्लू के मामलों में बढ़ोतरी

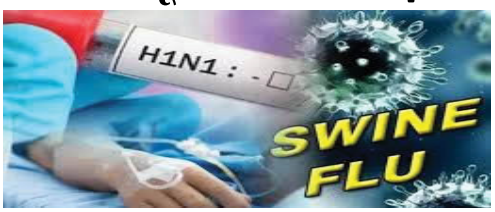

मुंबईः पिछले कुछ दिनों से रुक-रुक कर हो रही बारिश, बादल छाए रहने और भीषण गर्मी के कारण महामारी जैसी बीमारियों का प्रकोप बढ़ने लगा है. महामारी 10 से 15 फीसदी तक बढ़ गई है. इसमें सर्दी, बुखार और खांसी के मरीज ज्यादा हैं और देखा गया है कि स्वाइन फ्लू के मरीजों की संख्या भी बढ़ रही है. मानसून शुरू होते ही सर्दी बुखार, डेंगू, स्वाइन फ्लू के मरीजों की संख्या बढ़ जाती है। मुंबई में भले ही पिछले एक हफ्ते से रुक-रुक कर बारिश हो रही है, लेकिन मौसम भी काफी बदल रहा है. कई बार सुबह बादल छाए रहते हैं और दोपहर में धूप निकल आती है। पर्यावरण में हो रहे इस बदलाव का असर नागरिकों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है. सर्दी और बुखार से मुंबईकर सदमे में हैं. इन मरीजों की शीतकालीन बुखार, डेंगू और स्वाइन फ्लू की जांच की जा रही है। इस जांच में सर्दी के बुखार और डेंगू के मरीजों का अनुपात ज्यादा नहीं है. लेकिन बदलते माहौल के कारण मुंबई में स्वाइन फ्लू के मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है. मानसून आने के बाद महामारी 10 फीसदी बढ़ गई है. इन मरीजों की जांच के बाद स्वाइन फ्लू के कुछ मामले सामने आये. साथ ही, सेंट जॉर्ज अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक ने कहा कि मई के बाद से मुंबई के कुछ हिस्सों में शीतकालीन बुखार के मरीज पाए गए हैं। विनायक सावरदेकर ने कहा.

पिछले कुछ दिनों में महामारी जैसी बीमारियों के मरीजों की संख्या में कुछ बढ़ोतरी हुई है. हालांकि इनमें स्वाइन फ्लू के मरीज मिले हैं, लेकिन उनकी हालत स्थिर है। साथ ही इंडियन सोसाइटी ऑफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन की मुंबई शाखा के सचिव ने बताया कि एक माह में सर्दी बुखार के दो से तीन मरीज मिले हैं. भरत जगियासी द्वारा दिया गया। जनवरी से मई तक पांच महीनों के दौरान शीतकालीन बुखार के 1612 मामले, डेंगू के 338 मामले, चिकनगुनिया के 21 मामले और हेपेटाइटिस के 248 मामले सामने आए हैं।

तेंदुए का शव सड़क पर मिला, शरीर पर थे जख्म के निशान... दांत भी टूटे मिले

वर्धाः जिले के आर्वी तहसील में सड़क पर तेंदुए का शव मिलने से वन विभाग में हड़कंप मच गया है। तेंदुआ कहां से आया और उसकी मौत कैसे हुई इसका पता अभी तक पता नहीं चल पाया है। जानकारी के अनुसार आर्वी तहसील के बोरगाव (गोंडी)-सुसुंद मार्ग पर तेंदुआ मृत अवस्था में पाया गया। घटना बुधवार को सामने आई। तेंदुए का किसी अन्य मांसाहारी जीव में संघर्ष होने के कारण उसकी मौत होने का अनुमान लगाया जा रहा है।

हिंगणी के वन परिक्षेत्र अधिकारी अभय ताल्हन, बोर टायगर रिजर्व के उपसंचालक मंगेश ठेंगड़ी, मानद वन्यजीव संरक्षक संजय इंगले तिगावकर, वन्यजीव प्रेमी कौस्तुभ गावंडे व वन विभाग के कर्मचारी घटनास्थल पर पहुंचे। तेंदुए के शव बारीकी से निरीक्षण करने के बाद उसके शरीर पर जख्म दिखे। उसके दांत टूटे हुए थे जिससे अनुमान लगाया जा रहा है कि मृत तेंदुए की उम्र 15 के आसपास होने के साथ वह वृद्ध हो चुका है। किसी मांसाहारी प्राणी के साथ उसका संघर्ष होने के कारण मौत होने का अनुमान लगाया गया। वन विभाग के नियमानुसार तेंदुए पर दाह संस्कार किया गया।

बाघिन से संघर्ष का भी लगाया जा रहा अनुमान

मृत तेंदुए का पोस्टमार्टम पशुवैद्यकीय विभाग के त्रि-सदस्यीय टीम ने किया। टीम में डॉ. परातें, डॉ. भांबर्डे, डॉ. घुमडे शामिल थे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मौत का सटीक कारण ज्ञात होगा। उल्लेखनीय है कि जिस परिसर में तेंदुआ मृत पाया गया है उस क्षेत्र में बाघिन भी रहती है।

डोंबिवली: शास्त्रीनगर अस्पताल में मेडिकल कचरे का ढेर, प्रशासन की अनदेखी

कल्याणः कल्याण-डोंबिवली नगर पालिका प्रशासन सार्वजनिक स्वच्छता को लेकर बेहद सजग है. नगर आयुक्त खुद डॉक्टर हैं. फिर भी, मनपा के डोंबिवली प्रभाग में शास्त्रीनगर अस्पताल को गंदगी का आगर कहा जाने लगा है। इस अस्पताल की छत पर मेडिकल कचरे का ढेर फैला हुआ है. अस्पताल की सीढ़ियां गंदगी से भरी हैं और परिजनों ने मरीजों के संक्रमित होने की आशंका जताई है. शास्त्री नगर अस्पताल में प्रतिदिन 600 से अधिक मरीज इलाज के लिए आते हैं. इस अस्पताल के बाहरी हिस्से की सफाई की गई है। हालांकि, अस्पताल के कमरों के सामने की आंतरिक सीढ़ियां, खुले क्षेत्र की सफाई नहीं की गई है। शास्त्रीनगर अस्पताल भवन की कई महीनों से सफाई नहीं होने से कोरोना काल के गद्दे, चिकित्सा सामग्री पर धूल व गंदगी की परतें जमा हो गई हैं। इस गंदगी से मच्छर पनपने की संभावना रहती है। आयुक्त डॉ. इदुरानी जाखड़ स्वयं चिकित्सा सेवा में डॉक्टर हैं। इसलिए उन्हें पता है कि अस्पताल में कितनी और कैसे साफ-सफाई होनी चाहिए. ऐसे में शास्त्रीनगर अस्पताल की गंदगी पर कमिश्नर समेत किसी भी वरीय अधिकारी का ध्यान नहीं जाने से मरीजों व परिजनों ने नाराजगी जतायी.

शास्त्रीनगर अस्पताल में चारों तरफ से नियमित सफाई होती है. बारिश शुरू होते ही मरीज, परिजनों के पैरों की धूल खुले स्थान पर गिर रही है. वार्ड को छत से बेकार चिकित्सा सामग्री उठाने के लिए सूचित कर दिया गया है। सफाई भी होगी। - डॉ। सुहासिनी भाडेकर, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, शास्त्रीनगर अस्पताल

रबाले इलाके में ढाई घंटे में तीन चोरियां

नवी मुंबईः रबाले पुलिस स्टेशन अंतर्गत चोरों ने शाम 4.20 से 6.00 बजे के बीच तीन घरों में चोरी कर 1 लाख 58 हजार 250 हजार रुपये चुरा लिये. इसमें आभूषण और नकदी शामिल है. महज ढाई घंटे के अंदर चोरों ने तीन घरों में सेंधमारी कर इलाके में चोरों का खौफ फैला दिया. गौरव कपडनिस रबाले पुलिस स्टेशन के अंतर्गत अमृतधाम सोसायटी के गोठीवली गांव में रहते हैं। 17 तारीख की रात को जब वह रोजाना की तरह घर आया तो उसके घर के दरवाजे और खिड़कियां टूटी हुई थीं और जब वह अंदर गया तो देखा कि सारा सामान इधर-उधर बिखरा हुआ था. निरीक्षण करने पर पता चला कि उनके घर से आभूषण चोरी हो गये हैं.

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhaninews.com